मुख्यमंत्री ने टीबी रोग से ग्रस्त 5 मरीजों को लिया गोद

चर्चा में क्यों?

2 फरवरी, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत टीबी रोग से ग्रस्त 5 मरीजों को गोद लिया और उन्हें टीबी किट प्रदान किये।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि प्रधानमंत्री के वर्ष 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने के संकल्प के तहत हरियाणा को टीबी मुक्त बनाने के लिये कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। इन सार्थक प्रयासों से हरियाणा को टीबी मुक्त करने के लक्ष्य को वर्ष 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा।
- उन्होंने प्रदेश के उद्योगपतियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शैक्षिक संस्थानों, सामाजिक संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और निर्वाचित प्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि वे इस पुनीत कार्य से जुड़ें और टीबी रोगियों को गोद लेकर उन्हें पोषाहार एवं उनके परिजनों को भावनात्मक एवं सामाजिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिये आगे आएँ।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान'की शुरूआत की गई। इस पहल के तहत निक्षय 0 प्लेटफॉर्म के माध्यम से टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता, जाँच सहायता और व्यावसायिक सहायता प्रदान की जा रही है।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि कोई भी व्यक्ति या संस्था निक्षय 0 वेब पोर्टल के माध्यम से अपना पंजीकरण करके निक्षय मित्र के रूप मे शामिल होकर टी बी रोगियों की सहायता कर सकती है।
- पंजीकरण के बाद वे भौगोलिक स्थितियों के अनुसार टीबी मरीज का चयन भी कर सकते हैं। उसके बाद गोद लेकर मरीज के इलाज पर लगभग 1 वर्ष तक मासिक सपोर्टिव डाइट के रूप में 400 से 500 रुपए की राशि देकर सहायता प्रदान कर सकते हैं।
- उन्होंने बताया कि इस प्रकार राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में संगठनों की भागीदारी बढ़ेगी और टीबी की जानकारी और इलाज जन-जन तक पहुँचेगा। इससे रोगियों का बेहतर पोषण होगा और सही इलाज होने पर परिणाम भी बेहतर मिलेंगे। इसके अलावा मरीजों व परिवारों का भार भी कम होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cm-adopts-5-patients-suffering-from-tb-disease